This question paper contains 8+2 printed pages]

2500

आपका अनुक्रमांक .....

4590

B.A. (Programme)/II/III C

HINDI LANGUAGE (B)—Paper II

हिंदी भाषा (ख)—प्रश्नपत्र II

(प्रवेश वर्ष 2004/2006 और तत्पश्चात् नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए/NCWEB के विद्यार्थियों के लिये)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

टिप्पणी :—प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे।

1. निम्नलिखित अनुच्छेद आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठों से लिए गए हैं। किन्हीं दो अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 8,8

(क) इत्यादि तादात में हमेशा ही ज्यादा होते थे

इत्यादि भाव-ताव करके सब्जी खरीदते थे और खाना-वाना खाकर

खास लोगों के भाषण सुनने जाते थे

P.T.O.

इत्यादि हर गोष्ठी में उपस्थिति बढ़ाते थे

इत्यादि जुलूस में जाते थे, तख्तियाँ उठाते थे, नारे लगाते थे

इत्यादि लम्बी लाइनों में लगकर मतदान करते थे

उन्हें लगातार ऐसा भ्रम दिया गया था कि वे ही इस लोकतन्त्र में सरकार बनाते हैं

इत्यादि हमेशा ही आन्दोलनों में शामिल होते थे

इसलिए कभी-कभी पुलिस की गोली से मार दिए जाते थे।

(*i*) कवि एवं कविता का नाम लिखिए।

(*ii*) 'इत्यादि' शब्द का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए।

(*iii*) 'इत्यादि' किस भ्रम में रहते हैं ? और क्यों ?

(*iv*) 'इत्यादि' प्राय: किन-किन कामों में रत पाए जाते थे ?

(ख) एक ही समय में, एक ही शहर में, साहित्य की नई दिशा देने वाले ये दो महारथी—एक-दूसरे से कितने पृथक् थे। एक को, इतिहास के सड़े-गले पन्नों से नए-नए पात्र ढूँढ़ निकालने और उनमें फिर से प्राण-प्रतिष्ठा करने की व्याकुलता थी—वेद, पुराण, इतिहास जहाँ से जो कुछ अलौकिक जँचा, उसे लिया और उसे अमरता दे दी। दूसरे को, अपने गाँव, मोहल्ले या शहर में उसकी आँखों के सामने चलने-फिरनेवालों के जीवन में ही रस मिलता था और उन्हीं को नाना रूप में सजाकर, सँवारकर लोगों के सामने उपस्थित करने में उसे मजा आता था। यह कहता था, 'गड़े मुर्दे को क्या उखाड़ रहे हो—देखो, इन्हें। क्या तुम्हारी कला के ये हकदार नहीं हैं ?' इस पर वह मुस्करा

पड़ता था, किन्तु उसकी लेखनी कहती थी, जमाना आने दो, फिर दोनों का मूल्य निर्धारित हो जाएगा! और जमाने ने बता दिया है, दोनों ने साहित्य को ऐसी निधि दी है, जिसका मूल्य आँका नहीं जा सकता! अपने-अपने क्षेत्र में दोनों अनुपम हैं—दोनों ध्रुव कभी मिलते नहीं किन्तु दोनों में आकर्षण है, अपने-अपने ढंग का।

(*i*) प्रस्तुत अनुच्छेद के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।

(*ii*) प्रसाद और प्रेमचन्द के लेखन में क्या अंतर है ?

(*iii*) 'गड़े मुर्दे उखाड़ना' का प्रयोग यहाँ किस आशय से किया गया है ?

(*iv*) लेखक ने प्रसाद और प्रेमचंद को साहित्य की नई दिशा देने वाले 'महारथी' क्यों कहा है ?

(ग) राहुलजी के जीवन की बहुत बड़ी विशेषता यह रही कि वे एक ही कार्यक्षेत्र या विचारधारा से हमेशा के लिए बँधे नहीं रहे। श्रीलंकावास का अपना अधिकांश समय उन्होंने त्रिपिटिक के अनुशीलन को दिया, जिसके लिए विद्यालंकार विहार ने उन्हें 'त्रिपिटकाचार्य' की उपाधि प्रदान की। मगर राहुलजी उतने से सन्तुष्ट नहीं हुए। उन्हें स्पष्ट हो गया कि जब तक संस्कृत बौद्ध साहित्य का अध्ययन न किया जाए, तब तक बौद्ध धर्म तथा दर्शन की जानकारी अधूरी ही रह जाती है। परन्तु लगभग सारा बौद्ध वाङ्मय भारत से लुप्त हो गया था। डॉ. तिब्बती व चीनी अनुवादों में काफी बौद्ध साहित्य सुरक्षित था। तिब्बत में मूल संस्कृत पोथियाँ भी सुरक्षित होने की काफी संभावना थी। अब इसी

संस्कृत बौद्ध साहित्य का अन्वेषण करने का राहुलजी ने संकल्प किया।

(*i*) प्रस्तुत अनुच्छेद के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।

(*ii*) विद्यालंकार विहार ने राहुलजी को 'त्रिपिटकाचार्य' की उपाधि क्यों प्रदान की ?

(*iii*) राहुलजी ने संस्कृत बौद्ध-साहित्य का अन्वेषण करने का संकल्प क्यों किया ?

(*iv*) "राहुलजी के जीवन की बहुत बड़ी विशेषता यह रही कि वे एक ही कार्यक्षेत्र या विचारधारा से हमेशा के लिए बँधे नहीं रहे।" आशय स्पष्ट कीजिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए : 3×3=9

(*i*) लेखिका ने सुधारप्रिय व्यक्तियों के दृष्टिकोण को संकुचित क्यों कहा है ? (घर बाहर)

(*ii*) 'भारत का विकास और राष्ट्रीय एकता की रक्षा प्रादेशिक भाषाओं को दबाकर नहीं, उनके पूर्ण विकास से ही संभव है।' आशय स्पष्ट कीजिए।

(गाँधीजी और भाषा समस्या)

(*iii*) कॉफी हाउसों की संस्कृति पर नौदौलतिए वर्ग के असर को लेखक किस रूप में देखता है ? (कॉफी हाउस)

(*iv*) नवधनाढ्य वर्ग कैसे उभरता और विकसित होता है ?

(नवधनाढ्य वर्ग या नए परजीवी)

(*v*) 'खूबसूरती पर सतही चीज़ों के दाग न लगाओ'—क्यों कहा गया है ? (दुनिया की सबसे हसीन औरत)

3. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(*i*) हिंदी का क्षेत्र 4

(*ii*) हिंदी वर्तनी का मानकीकरण 4

(*iii*) राजभाषा हिंदी की स्थिति। 4

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय का पल्लवन कीजिए : 6

(*i*) पराधीन सपनेहु सुख नाहीं

(*ii*) मन के हारे हार है मन के जीते जीत

(*iii*) मजहब नहीं सिखाता आपस में वैर रखना।

5. निम्नलिखित मुहावरों/लोकोक्तियों के अर्थ लिखते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए : 3×2=6

(*i*) हवाई किले बनाना

(*ii*) मुट्ठी गरम करना

(*iii*) ओस चाटने से प्यास नहीं बुझती।

6. निम्नलिखित अनुच्छेद का शीर्षक लिखते हुए संक्षेपण कीजिए : 6

जीवन के विटप का पुष्प संस्कृति है। संस्कृति के सौन्दर्य और सौरभ में ही राष्ट्रीय जन के जीवन का सौन्दर्य और यश अंतर्निहित है। ज्ञान और कर्म दोनों के पारस्परिक प्रकाश की संज्ञा संस्कृति है। भूमि पर बसने वाले जन ने ज्ञान के क्षेत्र में जो सोचा है और कर्म के क्षेत्र में जो रचा है दोनों के रूप में हमें राष्ट्रीय संस्कृति के दर्शन मिलते हैं। जीवन के विकास की युक्ति ही संस्कृति के रूप में प्रकट होती है। प्रत्येक जाति अपनी-अपनी विशेषताओं के साथ इस युक्ति को निश्चित करती है और उससे प्रेरित संस्कृति का विकास करती है। इस दृष्टि से प्रत्येक जन की अपनी-अपनी भावना के अनुसार पृथक्-पृथक् संस्कृतियाँ राष्ट्र में विकसित होती हैं, परन्तु उन सब का मूल आधार सहिष्णुता एवं समन्वय पर निर्भर है।

P.T.O.

7. (*i*) व्यंजना शब्द-शक्ति को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 4

(*ii*) 'एक हाथ से ताली नहीं बजती'—लक्ष्यार्थ स्पष्ट कीजिए। 4

(*iii*) 'नए चलन ने बहुत सहूलियत बख्शी है चोरों को'—निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए। 4

8. (क) 'पर्याय कोश' अथवा 'समांतर कोश' का परिचय दीजिए। 4

(ख) हिंदी शब्द-कोश में प्रविष्टि के अनुसार निम्नलिखित शब्दों को वर्णक्रमानुसार लिखिए :

शून्य, पैतृक, श्रम, संदेश, दरिद्र, क्षितिज, आलोचना, प्रवृत्ति। 4